B A Semester IV

MJC-6

Topic

Keynesian System: Money, Interest, Income

कृपया egyankosh, जो कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय का econtent की निधि है के portal egyankosh.ac.in पर जाएं। इसमें **बीईसीसी-133 समष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-I** सर्च (search) करें। इसे प्राप्त करने के पश्चात् **इकाई-5 आय निर्धारण का केंजीय प्रतिमान** की PDF file को खोलें।

इसे आ सीधे web link http://egyankosh.ac.in//handle/123456789/67993 में भी खोज सकते

इस Self Learning Material में कीन्स की अर्थव्यवस्था में संतुलन आय का निर्धारण कैसे होता है दर्शाया गया है। इसे आप पहले भी 12वीं कक्षा के NCERT पुस्तक से पढ चुके हैं।

इसके PDF file को खोलें।

इसका अध्ययन करें।

संतुलन आय के निर्धारण में गुणक कीi अहम भूमिका होती है।। गुणक की अवधारणा section 5.4 जो ृष्ठ 73 से 77 के बीच है वर्णित है।

इसमें निम्न मूल प्रश्न एवं अवधारणा को विस्तार से पढ़ना है।

1) किसी बंद अर्थव्यवस्था में गुणक (multiplier) का निर्धारण कैसे होता है? इसे section 5.4 में देखें।
2) गुणक का मान 1/ 1- c होता है। जहां c सीमांत उपभोग प्रवृत्ति को दर्शाता है।
3) सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (mpc) को c कींस के उपभोग फलन की ढाल (प्रणवता) पर निर्भर करती है। निवेश या ऐसे किसी स्वायत्त व्यय में वृद्धि से आय में कई गुणा वृद्धि होती है। इसे चित्र 5.3 एवं 5.5 से समझा जा सकता है। चित्र में A bar (A के ऊपर-) स्वायत्त व्यय को या उसके वृद्धि को दर्शाता है।
4) C का मान जितना अधिक होगा, गुणक का मान उतना अधिक होगा।
5) गुणक यह बताता है कि आय में वृद्धि अचानक/तत्क्षण नहीं होता है अपितु धीरे-धीरे period by period होती है। इसे dynamic multiplier कहते है।

6) आय में period by period वृद्धि को पृष्ठ संख्या 74 पर दर्शाया गया है।
7) mpc c यदि 0.5 है तो गुणक 2 है। mpc c यदि 0.6 है तो गुणक बढ़कर 2.5 हो जाता है। इसे चित्र 5.4 से समझा जा सकता है।
8) चित्र 5.3 कुल माँग जिसमें उपभोक्ताओं की उपभोग माँग एवं नियोजित निवेश शामिल है दर्शाया गया है।
9) Section 5.4.3 में गुणक की सीमाओं की चर्चा है।

अतिरिक्त संदर्भ स्रोत

https://www.investopedia.com/terms/m/multiplier.asp

https://www.investopedia.com/terms/m/multiplierеffect.asp

नीचे कुछ slides दिए गए हैं। इनका भी अध्ययन करें।

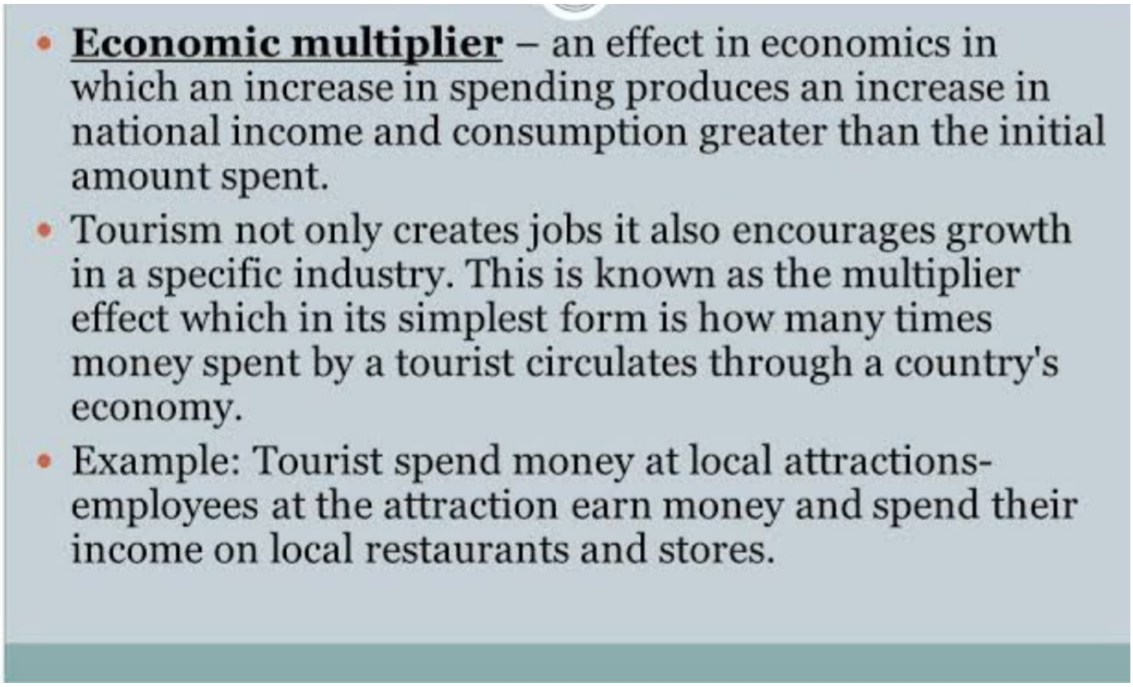

Increased Spending
Additional Dollar Spent
Dollar Enters Local Economy
Demand in Economy Increases
More People Are Hired
The Steps of the Economic Multiplier